ग्रीन माइलस्टोन

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

हाल ही में ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद और सेंटर फॉर एनर्जी फाइनेंस (CEEW-CEF) मार्केट हैंडबुक में पाया गया कि भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता में कोयले की हिस्सेदारी वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान इतिहास में पहली बार **50% से कम हो** गई।

- रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जोड़ी गई 26 गीगावाट (GW) **बिजली उत्पादन क्षमता** में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का हिस्सा **71%** है।
- भारत की **कुल स्थापित बिजली क्षमता बढ़कर 442GW हो गई**, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान **144GW** (33%) और **हाइड्रो का योगदान 47 GW** (11%) है।
- नवीकरणीय ऊर्जा में सौर ऊर्जा का हिस्सा **81%** है, जिसमें **पवन** की क्षमता लगभग **3.3 गीगावॉट** तक पहुँच गई है और परमाणु क्षमता में **1.4 गीगावॉट** की वृद्धि हुई है।
- वित्तीय वर्ष 2024 में नवीकरणीय ऊर्जा की नीलामी रिकॉर्ड 41 गीगावॉट तक पहुँच गई, जिसमें पवन-सौर हाइब्रिड और **RE-प्लस-स्टोरेज** जैसे नवीन प्रारूप प्रमुखता प्राप्त कर रहे हैं।
    - **RE-प्लस-स्टोरेज नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को संदर्भित करता है, जैसे कि सौर या पवन ऊर्जा, जो आमतौर पर बैटरी के रूप में ऊर्जा भंडारण समाधानों के साथ संयुक्त होती है।**
- भारत ने वर्ष 2022 में अपनी जलवायु परिवर्तन प्रतिबद्धताओं को अद्यतन किया, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद **उत्सर्जन** तीव्रता को वर्ष **2005 के स्तर से 45%** कम करना और उसी वर्ष तक अपनी बिजली क्षमता का **50%** गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करना है।

और पढ़ें: पर्सपेक्टिव: भारत का हरित ऊर्जा परिवर्तन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/green-milestone